महत्वपूर्ण एवं खास

राताखार मार्ग पर सडक़ दुर्घटना में महिला की मौत, आक्रोशित लोगों ने किया चक्काजाम

कोरबा। आज दोपहर शहर के टीपीनगर-राताखार मार्ग पर हुए हादसे में एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। उसे भारी वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने यहां पर चक्काजाम कर दिया। पुलिस पार्टी मौके पर पहुंची हुई है जो लोगों को समझाईश देने में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार मृत महिला की पहचान तीजबाई महंत के रूप में हुई है जो कुसमुंडा थाना क्षेत्र के जूनापारा पड़निया की निवासी थी। वह अपने पति के साथ आधार कार्ड बनवाने के लिए कलेक्टोरेट गई हुई थी। वहां से लौटने के समय यह घटना हुई। पति-पत्नी बाइक पर सवार थे। राताखार शराब भ_ी के पास से निकलने के दौरान इस रास्ते से गुजर रहे भारी वाहन ने बाइक को चपेट में लिया। इस घटना में पति दूसरी तरफ गिरा जबकि पीछे बैठी पत्नी एक तरफ। भारी वाहन के पहिए तले दबकर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। व्यस्त मार्ग पर हुए हादसे के बाद इस इलाके में मौजूद लोगों ने सक्रियता दिखाई और यहां जाम कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस यहां पहुंची। लोगों के द्वारा मौके पर चक्काजाम कर दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में वाहन चालक के खिलाफ अपराध कायम किया है। यहां बताना जरूरी होगा कि हसदेव बरॉज पुल को सुधार की प्रक्रिया में शामिल करने से उस रास्ते को आवागमन के लिए बंद कर दिया गया है। दर्री से कोरबा और बालकोनगर सहित अन्य दिशा में जाने वाले लोग वैकल्पिक मार्ग को अपना रहे हैं। इस वजह से राताखार मार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ गया।

दाम से 153 नग तलवार जब्त

रायपुर (आरएनएस)। तेलीबांधा थाना पुलिस ने बीती देर रात में मुखबिर की सूचना पर श्यामनगर तेलीबांधा में आरोपी निर्मल सिंह पिता गुरदीप सिंह 55 वर्ष के गोदाम में छापा मारकर वहां से 153 नग तलवार जब्त किया। आरोपी के खिलाफ आम्र्स 25, 27 एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

छग का शराब डिस्टीब्यूटर बनाने के नाम पर दो लोगों से डेढ़ करोड़ रूपये की ठगी

दो लोगों के खिलाफ जुर्म दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। रायपुर जिले के राखी थाना क्षेत्र में दो लोगों से छत्तीसगढ़ का शराब डिस्टीब्यूटर बनाने के नाम पर डेढ़ करोड़ रूपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 34 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। राखी थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी नागेश कुमार कौशिक पिता बिहारीलाल निवासी सेक्टर 27 नवा रायपुर 46 वर्ष ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी राजेन्द्र कुमार शर्मा और जगजीत सिंह ने उसे और उसके साथी को छत्तीसगढ़ में शराब डिस्टीब्यूटर बनाने का झांसा देकर उनसे 01 करोड़ 49 लाख 99 हजार 935 रूपये लेकर धोखाधड़ी की। पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

वन विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर साढ़े चार लाख की ठगी

रायपुर (आरएनएस)। वन विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर एक व्यक्ति से साढ़े चार लाख रूपये की ठगी करने के मामले में राखी थाना पुलिस ने आरोपी व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी तिलकराम चंद्राकर पिता तूलाराम ने प्रार्थी त्रिफरारी लाल वर्मा पिता अश्वनी वर्मा 42 वर्ष निवासी डगनिया गोबरानवापारा को वन विभाग में बाबू के पद पर नौकरी दिलाने के नाम पर उससे 04 लाख 50 हजार रूपये अलग-अलग किश्तों में लिये थे। रूपये लेने के बाद भी आरोपी ने न तो प्रार्थी को नौकरी दिलायी और न ही रूपये वापस लौटाये। जिसके बाद प्रार्थी ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 420 के तहत अपराध कायम कर मामले को जांच में लिया है।

छत्तीसगढ़ में आकार ले रही छत्तीसगढ़ में पर्यटन तीर्थों की नई श्रृंखला

❐ माता शबरी की नगरी शिवरीनारायण का बदला स्वरूप

रायपुर (आरएनएस)। पौराणिक मान्यता के अनुसार 14 वर्ष के वनवास के दौरान प्रभु राम ने लगभग 10 वर्ष का समय छत्तीसगढ़ में गुजारा था। वनवास काल में उन्होंने छत्तीसगढ़ में प्रवेश कोरिया के सीतामढ़ी हरचौका से किया था। उत्तर से दक्षिण की ओर बढ़ते हुए वे छत्तीसगढ़ के अनेक स्थानों से गुजरे। सुकमा का रामाराम उनका अंतिम पड़ाव था। प्रभु राम वनवास काल के दौरान लगभग 2260 किलोमीटर की यात्रा की थी। ऐसे में छत्तीसगढ़ से जुड़ी भगवान राम के वनवास काल की स्मृतियों को सहेजने तथा संस्कृति एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राम वन गमन पर्यटन परिपथ परियोजना शुरू की गई है। चंदखुरी के बाद अब शिवरीनारायण में भी विकास कार्य पूरा हो जाने से राज्य में पर्यटन तीर्थों की नयी श्रृंखला आकार ले रही है।

परियोजना के अंतर्गत 75 स्थानों को चिन्हांकन किया गया है। इसके अंतर्गत प्रथम चरण में चयनित 9 पर्यटन तीर्थों का तेजी से कायाकल्प कराया जा रहा है। इस परियोजना में इन सभी पर्यटन तीर्थों की आकर्षक लैण्ड स्कैपिंग के साथ-साथ पर्यटकों के लिए सुविधाओं का विकास भी किया जा रहा है। 138 करोड़ रूपए की इस परियोजना में उत्तर छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले से लेकर दक्षिण छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले तक भगवान राम के वनवास काल से जुड़े स्थलों का संरक्षण एवं विकास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने चंदखुरी स्थित माता कौशल्या मंदिर में वर्ष 2019 में भूमिपूजन कर राम वनगमन पर्यटन परिपथ के निर्माण की शुरूआत की थी। माता कौशल्या की जन्मभूमि चंदखुरी के बाद अब माता शबरी की नगरी शिवरीनारायण में भी विकास कार्य पूरा हो चुका है, जिसका लोकार्पण मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 10 अप्रैल को करेंगे।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं परम्परा में प्रभु राम रचे-बसे है। जय सिया राम के उद्घोष के साथ यहां दिन की शुरूआत होती है। इसका मुख्य कारण है कि छत्तीसगढ़ वासियों के लिए राम केवल आस्था ही नहीं है बल्कि वे जीवन की एक अवस्था और आदर्श व्यवस्था भी हैं। छत्तीसगढ़ में उनकी पूजा भांजे के रूप में होती है। रायपुर से महज 27 कि.मी. की दूरी पर स्थित चंदखुरी, आरंग को माता कौशल्या की जन्मभूमि और राम का ननिहाल माना जाता है। छत्तीसगढ़ का प्राचीन नाम दक्षिण कोसल है।

रघुकुल शिरोमणि राम की जन्मभूमि अयोध्या है लेकिन छत्तीसगढ़ उनकी कर्मभूमि है। वनवास काल के दौरान अयोध्या से प्रयागराज, चित्रकूट सतना गमन करते हुए राम ने दक्षिण कोसल याने छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के भरतपुर पहुंचकर मवई नदी को पार कर दण्डकारण्य में प्रवेश किया। मवई नदी के तट पर बने प्राकृतिक गुफा मंदिर, सीतामढ़ी-हरचौका में पहुंचकर उन्होनें विश्राम किया। इस तरह रामचंद्र जी के वनवास काल का छत्तीसगढ़ में पहला पड़ाव भरतपुर के पास सीतामढ़ी-हरचौका को माना जाता है। छत्तीसगढ़ की पावन धरा में रामायण काल की अनेक घटनाएं घटित हुई हैं, जिसका प्रमाण यहां की लोक संस्कृति, लोक कला, दंत कथा और लोकोक्तियां हैं।

कोरिया जिले का सीतामढ़ी रामचन्द्र जी के वनवास काल के पहले पड़ाव के नाम से भी प्रसिद्ध है। पौराणिक और ऐतिहासिक ग्रंथों में रामगिरि पर्वत का उल्लेख आता है। सरगुजा जिले का यही रामगिरि-रामगढ़ पर्वत है। यहां स्थित सीताबेंगरा-जोगीमारा गुफा की रंगशाला को विश्व की सबसे प्राचीन रंगशाला माना जाता है। मान्यता है कि वन गमन काल में रामचंद्र जी के साथ सीता जी ने यहां कुछ समय व्यतीत किया था, इसीलिए इस गुफा का नाम सीताबेंगरा पड़ा।

राम वन गमन पर्यटन परिपथ के अंतर्गत प्रथम चरण में सीतामढ़ी-हरचौका (जिला कोरिया), रामगढ़ (जिला सरगुजा), शिवरीनारायण (जिला जांजगीर-चांपा), तुरतुरिया (जिला बलौदाबाजार-भाटापारा), चंदखुरी (जिला रायपुर), राजिम (जिला गरियाबंद), सप्तऋषि आश्रम सिहावा (जिला धमतरी), जगदलपुर (बस्तर) और रामाराम (जिला सुकमा) को विकसित किया जा रहा है।

राम वन गमन पथ : कॉन्सेप्ट प्लान के लिए 138 करोड़ रूपए का प्रावधान - राम वन गमन कॉन्सेप्ट प्लान में प्रभु राम के छत्तीसगढ़ में वनवास काल में भ्रमण से संबंधित 75 स्थानों को धार्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बनायी गई है। इनमें प्रथम चरण में 9 स्थलों को चिन्हित कर वहां श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इसके लिए 138 करोड़ रूपए की कार्ययोजना तैयार की गई है।

ई-आक्शन के माध्यम से खरीदे गए कोयले का समय पर उठाव नही: कोल एजेंटों ने किया प्रदर्शन

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के कोरबा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली मानिकपुर खदान में ई.आक्शन के माध्यम से कोयला खरीदने वाले कोल एजेंट अरसे से परेशान है। कोल उठाव में हो रही लेटलतीफी के कारण उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है। मानिकपुर खदान में प्रदर्शन कर उन्होंने प्रबंधन से मांग की है, कि या तो उनके डीओ का समय बढ़ाया जाए या फिर कोयले के उठाव में तेजी लाए।

इस मसले को लेकर एसईसीएल की मानिकपुर कोल परियोजना में काम करने वाले कोल एजेंटो ने खदान के भीतर जमकर प्रदर्शन किया। ई.आक्शन के माध्यम से खरीदे गए कोयले का समय पर उठाव नही हो रहा है। उठाव नहीं होने की स्थिति में इनकी मुश्किलें बढ़ गई है। कोल एजेंटो का कहना है, कि जहां एक दिन में 1800 टन कोयले का उठाव होना चाहिए वहां केवल 400 टन कोयले का ही उठाव हो पा रहा है। निश्चित अवधी के भीतर अगर उनके कोयले का उठाव नहीं हो पाया तो उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।पता चला है कि दीपिका गेवरा और कुसमुंडा खदानों में होने वाले ई-ऑक्शन के कोयले का निश्चित मात्रा में नियमित रूप से उठाओ हो रहा है कोल ट्रांसपोर्टरों के मुताबिक मानिकपुर खदान प्रबंधन द्वारा सिर्फ पावर सेक्टर को कोयला देने का हवाला देते हुए ई-ऑप्शन के कोयले के डिस्पैच को कम कर दिया है। जानकारी के अनुसार ई ऑक्शन होने के बाद दर्जनभर से अधिक कॉल ट्रांसपोर्टरों का कोयला स्टॉक में जाम है। ई. ऑक्शन के बाद कोयला उठाओ के लिए 45 दिन का समय मिलता है। जिसमे से 30 दिन बीत चुके हैं। सिर्फ 15 दिन ही शेष हैं।

दूसरी तरफ खदान प्रबंधन द्वारा काफी कम मात्रा में कोयला डिस्पैच के ऑर्डर मिले हैं। ऐसे में ऑक्शन का कोयला लेप्स होने का खतरा भी बढ़ गया है। यही वजह है कि लंबे समय से कोयले का काम कर रहे एजेंटों ने आंदोलन का रुख अख्तियार कर लिया है। देखना होगा कि कोयला एजेंटों के इस आंदोलन का प्रबंधन पर क्या असर पड़ता है।

बालको अस्पताल आयोजित शिविर में नागरिकों ने किया रक्तदान

कोरबा। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर बालको अस्पताल ने जिला स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया। बालको परिवार और बालकोनगर के 417 नागरिकों ने इस महत्वपूर्ण अभियान में भाग लेकर रक्तदान किया। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक अभिजीत पति ने शिविर में रक्तदान करने वाले नागरिकों की हौसला अफजाई की।

श्री पति ने बड़ी संख्या में बालको परिवार की भागीदारी और लोगों के बीच रक्तदान के प्रति जागरूकता में बढ़ोत्तरी पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि सडक़ों पर वाहनों के दबाव और दुर्घटनाओं के बढ़ते आंकड़ों की दृष्टि से रक्तदान का महत्व बढ़ गया है। जरूरतमंदों को आपातकाल में रक्त देकर उनके जीवन की रक्षा की जा सकती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है।

कार्यक्रम में मौजूद इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय, कोरबा के ब्लड बैंक प्रभारी जी एस जात्रा ने बताया कि रक्तदान को लेकर लोगों के बीच अनेक तरह की भ्रांतियां हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान से पूर्व खून और रक्तदाता के स्वास्थ्य की जांच की जाती है। स्वस्थ व्यक्ति से ही रक्त लिया जाता है। जात्रा ने यह भी बताया कि रक्तदान से शरीर से पुराना रक्त निकल जाता है और स्वस्थ रक्त कोशिकाएं शरीर में 24 घंटे में बन जाती हैं। रक्तदान से अनेक बीमारियों के होने की आशंका नहीं रहती। कोरबा के सी एम एच ओ बी बी बोर्डे ने वृहद रक्तदान शिविर के आयोजन के लिए बालको अस्पताल को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

युवाओं के कौशल विकास के लिए एनटीपीसी कोरबा द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत

कोरबा। श्रोजगार क्षमता विकसित करने के लिए कौशल विकास एक महत्वपूर्ण कदम है एवं एनटीपीसी कोरबा परियोजना प्रभावित गांवों के नागरिकों के कौशल विकास और रोजगार क्षमता को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है, उक्त विचार बिस्वरूप बसु, कार्यकारी निदेशक, एनटीपीसी कोरबा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के उदघाटन समारोह में व्यक्त किए।

विदित हो कि एनटीपीसी कोरबा ने सहायक मशीन ऑपरेटर इंजेक्शन मोल्डिंग के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कौशल एवं तकनीकी सहायता केंद्र सिपेट कोरबा के साथ सम्झौता किया है। इस कार्यक्रम के तहत 40 युवा प्रशिक्षण से लाभान्वित होंगे। 3 महीने तक चलने वाले इस प्रशिक्षण की समाप्ति के पश्चात छात्रों के लिए सिपेट द्वारा प्लेसमेंट के लिए भी सहायता प्रदान की जाएगी।

बिस्वरूप बसु, कार्यकारी निदेशक कोरबा ने अपने वक्तव्य में युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि यह पाठ्यक्रम परियोजना प्रभावित गांवों और अन्य करीबी गांवों के युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर प्रदान करेगा। कौशल विकास और रोजगार क्षमता को बढ़ाने के लिए एनटीपीसी कोरबा द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बसु ने कौशल विकास के क्षेत्र में मिल रहे अवसरों पर युवाओं से बात की तथा मिल रहे अवसरों का लाभ उठाने के लिए छात्रों तथा छात्राओं को प्रेरित किया। उदघाटन समारोह में मनोज कुमार राजपूत, केंद्र प्रमुख, सिपेट कोरबा ने युवाओं को एनटीपीसी के प्रशिक्षण का भरपूर उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

सड़क, फुटपाथ पर अनाधिकृत कब्जा करने वालों को हटाया निगम अमले ने

कोरबा। आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय के निर्देश पर आज निगम अमले ने सडक़ फुटपाथ समान फैलाकर अनाधिकृत रूप से व्यवसाय करने वालों को स्थल से हटाकर सडक़, फुटपाथ को अतिक्रमण से मुक्त कराया, स्मृति उद्यान पार्किंग क्षेत्र तथा घंटाघर ओपन थियेटर व मिनीमाता कालेज के सामने मुख्य मार्ग पर यह कार्यवाही की गई।

यहॉ उल्लेखनीय है कि अवैध रूप से सडक़ के किनारे व फुटपाथ पर कब्जा कर कतिपय लोगों द्वारा कम्बल, रजाई, सजावटी समान, कपड़े व अन्य सामग्रियों को फैलाकर दुकानें सजाई गई थी, वहॉ पर उनके द्वारा सामग्रियों का विक्रय विगत कई दिनों से किया जा रहा था तथा इनकी संख्या लगातार बढ़ रही थी। सडक़, फुटपाथ पर मुख्य मार्ग के किनारे दुकानें सजाने से अनावश्यक भीड़ एकत्रित होती थी, जिससे सडक़ दुर्घटना की संभावना बनी रहती थी, साथ ही आमनागरिकों, वाहन चालकों को आवागमन में असुविधा होती थी। बुधवार को शहर भ्रमण के दौरान आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने उक्त स्थल का निरीक्षण किया, सडक़, फुटपाथ में दुकान सजाकर बैठे लोगों को समझाईश दी तथा उन्हें वहॉ से हटाने के निर्देश निगम के अधिकारियों को दिए। निगम के अतिक्रमण दस्ते ने सघन रूप से कार्यवाही करते हुए स्मृति उद्यान के सामने स्थित पार्किंग क्षेत्र तथा ओपन थियेटर घंटाघर के सामने व मिनीमाता कालेज के सामने मुख्य मार्ग पर सजाई गई इन अनाधिकृत दुकानों को स्थल से हटा दिया तथा उन्हें हिदायत दी कि वे पुन: सडक़, फुटपाथ पर अनाधिकृत रूप से दुकानें न लगाएं।

दर्री में हटाया गया अतिक्रमण - निगम के अतिक्रमण दस्ते द्वारा दर्री जोनांतर्गत वार्ड क्र. 52 में मुख्य मार्ग के किनारे किए जा रहे अतिक्रमण को आज हटाया गया। अतिक्रमण प्रभारी योगेश राठौर ने बताया कि वार्ड क्र. 52 मुख्य मार्ग के किनारे एक व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से कमरे का निर्माण कराया जा रहा था, जिसकी जानकारी प्राप्त होते ही अतिक्रमण दस्ता मौके पर पहुंचा तथा जे.सी.बी. के माध्यम से उक्त अतिक्रमण को हटाया।

डीजे में नाचने की बात पर युवक की हत्या

रायपुर (आरएनएस)। रायपुर जिले के नेवरा थाना क्षेत्र में विवाह कार्यक्रम के दौरान डीजे में नाचने की बात पर करीब आधा दर्जन लोगों ने एक युवक की चाकू, राड से मारकर हत्या कर दी। नेवरा थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रेक प्वाईन्ट रेलवे ऑफिस के पास तिल्दा में 8 अप्रैल की रात करीब 9.50 बजे आरोपी कोंदा, नारद, डेरहा, प्रकाश, कैलाश व करण संतवानी विवाह कार्यक्रम के डीजे में नाच रहे थे। इस दौरान आरोपियों ने मृतक थानेश्वर पिता गेंड्रे 18 वर्ष निवासी 4 सूर्या बार के पास तिल्दा को नाचने की बात पर राड, चाकू व डंडा से मारकर उसकी हत्या कर दी।

चाकू की नोंक पर कुख्यात आरोपी ने पार किये कीमती सामान

कोरबा। जेल से छूटने के बाद शहर का आदतन चोर सूरज कुमार एक बार फिर से सक्रिय हो गया है। बीती रात सूरज खपराभट्ठा स्थित एक मकान में घुस गया और चाकू की नोक पर लोगों को बंधक बनाकर करीब तीन लाख रुपयों के सामान पर हाथ साफ कर दिया।

जानकारी के अनुसार बुधवारी ईलाके में सूरज कुमार अपनी हरकतों से कुख्यात है। इसकी पहचान आपराधिक तत्व के रुप में है जो चोरी, लूट सहित अन्य अपराधों के कारण अक्सर जेल जाते रहता है। बावजूद इसके वह सुधरने का नाम नहीं लेता। एक बार फिर से उसने बुधवारी के खपराभट्ठा ईलाके में चाकू के नाम पर लाखों रुपयों की चोरी की घटना को अंजाम दे डाला। बीती रात करीब साढ़े 11 बजे सूरज नीलू श्रीवास नामक महिला के घर में घुसा। नीलू की गैरमौजूदगी में सूरज ने उसकी नौकरानी और बच्चे को चाकू दिखाया और एक कमरे में बंद कर दिया। दावा किया जा रहा है कि उसने घर पर रखा डेढ़ किलो चांदी, ढाई तोला सोना और 80 हजार रुपए नकदी रकम को पार कर दिया। नीलू की नौकरानी ने कुछ इस तरह पूरे घटनाक्रम को मीडिया से साझा किया। बताया गया कि नीलू श्रीवास के परिवार और सूरज के बीच विवाद काफी पुराना है। इससे पहले भी सूरज के द्वारा नीलू श्रीवास के परिवार को परेशान कर चुका है। पिछले दिनों नीलू के घर में एक कार्यक्रम था जहां पहुंचकर सूरज ने उसके मेहमानों के गाडिय़ों में तोडफ़ोड़ भी की थी। सूरज बुधवारी क्षेत्र का एक आदतन चोर है, जिसके द्वारा चोरी की कई घटनाओं को अंजाम दिया जा चुका है। सीएसईबी चौकी प्रभारी नवल साव ने बताया कि खपराभट्ठा क्षेत्र में सामान पार होने की जानकारी मिली है। इस मामले को लेकर कई प्रकार के दावे किये जा रहे हैं। नगर निरीक्षक के द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाय में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियों की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा सैधेन्तिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

कोटवारों का किया गया सम्मान

कोरबा। कोरबा पुलिस द्वारा राजीव गांधी ऑडिटोरियम टीपी नगर कोरबा में कोटवार सम्मेलन कर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कोटवारों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम कोरबा के कमिश्नर प्रभाकर पांडेय आईएएस एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रियंका पांडेय आईएफएस वन मंडलाधिकारी कोरबा उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल द्वारा कोटवारों को संबोधित करते हुए कहा गया कि कोटवारों का संबंध प्रत्येक व्यक्ति से जन्म से लेकर मृत्यु तक रहता है ए व्यक्ति के जन्म होते ही कोटवार द्वारा जन्म पंजी में उसका नाम दर्ज किया जाता है एउसी प्रकार मृत्यु होने पर मृत्यु पंजी में उसका नाम दर्ज किया जाता है। इस प्रकार कोटवार महत्वपूर्ण व्यक्ति है जिससे जन्म से लेकर मृत्यु तक हर व्यक्ति का पाला पड़ता है ए साथ ही कोटवार को ग्राम पुलिस अधिकारी की संज्ञा दी गई है ए गांव में होने वाले सभी छोटे बड़े अपराधों की जानकारी ए गांव में आने वाले अजनबी व्यक्तियों की जानकारी ए गांव में होने वाले हर गतिविधि की सूचना पुलिस एवं प्रशासन तक देता है, इसी प्रकार हर प्रशासनिक कार्य को संचालित करने में कोटवार महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। एक तरह से कोटवार गांव के कुल देवता की भांति होते हैं। हम उनसे जितना अधिक जुड़ेंगे, हमारे काम उतना ही आसान होंगे, साथ ही साथ हमारा सूचना तंत्र उतना ही अधिक मजबूत होगा।

इस अवसर पर मुख्य आसंदी से मुख्य अतिथि प्रभाकर पांडे नगर निगम कमिश्नर द्वारा कहा गया कि कोटवार प्रशासन व्यवस्था की रीढ़ की हड्डी है, कोटवार जितना अधिक सजगता और जागरूकता और संवेदनशीलता से काम करेंगे, प्रशासनिक कार्य उतना ही अच्छी तरह से संपादित होंगे। वन मंडलाधिकारी प्रियंका पांडे द्वारा कोटवारों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि कोटवार ग्रामीण पुलिस एवम प्रशासनिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण इकाई है, साथ ही उन्होंने वनों के रक्षाए वनों की कटाई एवं वनों में लगने वाले आग से बचाव करने साथ ही सूचना सूचना वन अधिकारियों तक देने हेतु से अपील की गई। इस कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 20 कोटवारों का चयन कर उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं गमछा भेंट कर सम्मानित किया गया। सभी प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा कोटवारों के साथ दोपहर का भोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा योगेश साहू, नगर पुलिस अधीक्षक दर्री सुश्री लितेश सिंह, उप पुलिस अधीक्षक आजाक प्रदीप येरेवार, सभी थाना चौकियों के प्रभारीगण, रक्षित निरीक्षक कोरबा, सूबेदार, सायबर सेल प्रभारी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।